महादेव कैलाश पति | By Suraj Kumar

जटा में गंगा, झाल मृदंगा
औघड़ दानी, सती के पती
जय हो — महादेव देव (x3), कैलाशपति

डम-डम डमरू बाजे
बम-बम भोला नाचे
भस्म रमाये, धूनी चढ़ाए
काँप रही इनसे धरती
जय हो — महादेव देव (x3), कैलाशपति

(जटा जूट में गंग विराजे, माथे अर्धचंद्रमा साजे।
गले में तेरे नाग बिराजे, डम-डम डमरू बाजे)

महाकाल हैं मस्त मलंगा
तीनों लोक कहें अड़भंगा
दुनिया सारी है त्रिपुरारी
नतमस्तक तुमको करती
जय हो — महादेव देव (x3), कैलाशपति

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%a6%e0%a5%87%e0%a4%b5-%e0%a4%95%e0%a5%88%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%b6-%e0%a4%aa%e0%a4%a4%e0%a4%bf-by-suraj-kumar/